मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग में) उप-मंत्री (कु॰ शैलजा): (क) और (ख) 2.3.1994 को आयोजित की गई केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की 50वीं बैठक में राज्य सरकारों ने यशपाल समिति की सिफारिशों पर मोटे तौर पर अपनी सहमति जताई। इस प्रकार के दृष्टिकोणों पर मतैक्य की पहचान की गई तथा राज्य सरकारों द्वारा कार्रवाई का जो क्रम अपनाया जाना है उसके बारे में उन्हें सुझाव दिया गया। केन्द्र सरकार के सीधे नियंत्रण में जो स्कूल प्रणाली आती है उसमें इसका कार्यान्वयन केन्द्रीय संगठनों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। चूंकि देश के अधिकांश स्कूल राज्य सरकारों के नियंत्रण में हैं इसलिए इन सिफारिशों का कार्यान्वयन मुख्यत: राज्य सरकारों पर निर्भर है।

पुस्तकों का प्रकाशन

2508. **प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1992-93 और 1993-94 के दौरान भारत में विभिन्न भाषाओं में कुल कितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई;

(ख) देश में जनसंख्या के अनुरूप पुस्तकों के प्रकाशन में वृद्धि क्यों नहीं हो रही है; और

(ग) क्या सरकार भारत में प्रकाशन के विकास के लिए सस्ता कागज उपलब्ध कराने और डाक दरों को कम करने पर विचार करेगी?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कु॰ शैलजा): (क) एक विवरण संलग्न है। (नीचे देखिए)

(ख) निरक्षरता, निर्धनता, पुस्तकालयों की अपर्याप्त संख्या, पुस्तक विक्रेताओं की कम संख्या तथा प्रकाशकों को पर्याप्त निधियों की अनुपलब्धता आदि कई कारणों की वजह से देश में प्रकाशित पुस्तकों की संख्या, जनसंख्या वृद्धि के अनुसार नहीं बढ़ी है।

(ग) चूंकि कागज तथा कागज के वितरण तथा पेपर बोर्ड पर कोई सांविधिक नियन्त्रण नहीं है अतएव पुस्तक प्रकाशन के लिए कम कीमत पर कागज की आपूर्ति का प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रकाशित सामग्री के संबंध में वर्तमान डाक दरें काफी कम हैं, इन दरों में और कमी करने से सरकार को और अधिक नुकसान होगा।

विवरण

पुस्तक सपुर्दगी अधिनियम के अन्तर्गत वर्ष 1992-93 तथा 1993-94 वर्षों के दौरान, राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता में प्राप्त भाषावार पुस्तकों की संख्या।

भाषा	प्राप्त की गई पुस्तकों की संख्या	
	1992-93	1993-94
असमी	250	263
बंगाली	1489	1588
अंग्रेजी	8119	10895
गुजराती	435	490
हिन्दी	1514	1547
कन्नड़	744	309
कश्मीरी	10	10
मलयालम	631	646
मराठी	849	828
उड़िया	178	148
पंजाबी	402	273
संस्कृत	62	65
सिंधी	20	8
तमिल	2341	1524
तेलुगु	727	806
उर्दू	253	311
अन्य भाषाएं	27	36
जोड़ :	18051	19647

Performance of Navodaya Vidyalayas in Gujarat

2509. SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the aims behind establishing the Navodaya Vidyalayas in the States and whether they have succeeded in achieving the aims;

(b) if not, the reasons therefor;

(c) whether any committee has been constituted to supervise their work and the way